http://www.csjmuonline.com

# 1016

## B. A. (Part I) EXAMINATION, 2020

**(New Course)**

HINDI LITERATURE

Paper First

**(Madhyakaleen Kavya)**

*Time : Three Hours* ] [ *Maximum Marks : 100*

**नोट :** यह प्रश्न-पत्र तीन खण्डों—खण्ड 'अ', 'ब' एवं 'स' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिये गये निर्देशों का पालन कीजिए। खण्ड 'अ', 'ब' एवं 'स' क्रमशः 40, 20 एवं 40 अंकों के हैं।

**निर्देश :** अभ्यर्थी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखें। यदि किसी प्रश्न के कई भाग हों तो उनके उत्तर एक ही तारतम्य में लिखे जाएँ।

### खण्ड—अ

### (अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

**नोट :** प्रश्न क्र. 1 के सभी भागों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 5 अंकों का है। इस खण्ड के प्रश्न समस्त पाठ्यक्रम से होंगे।

1. (क) सूफी काव्यधारा का परिचय दीजिए।



http://www.csjmuonline.com



(ख) कबीर की भक्ति-भावना पर प्रकाश डालिए।

(ग) तुलसीदास की प्रमुख रचनाओं पर प्रकाश डालिए। उनकी कौन-सी रचना ज्योतिष से सम्बन्धित है ?

(घ) जायसी की सौन्दर्य दृष्टि पर प्रकाश डालिए।

(ङ) सूरदास की काव्यभाषा पर प्रकाश डालिए।

(च) घनानन्द की प्रमुख रचनाओं का परिचय दीजिए।

(छ) 'भूषण' के साहित्यिक अवदान का परिचय दीजिए।

(ज) केशव की काव्यभाषा पर प्रकाश डालिए।

### खण्ड—ब

### (व्याख्यात्मक प्रश्न)

2. निम्नलिखित पद्यांशों में से किन्हीं दो की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए : प्रत्येक 10

(क) सन्तों भाई आई ग्यान की आँधी रे।

भ्रम की टाटी सबै उडाँणी, माया रहै न बाँधी॥

हिति चित की द्वै थूँनी गिराँनी, मोह बलिंडा तूटा॥

त्रिस्नाँ छाँनि परी, घर ऊपरि, कुबधि का भाँडाँ फूटा॥

जोग जुगति करि सन्तौं बाँधी, निरचू चुवै न पाँणी॥

कूड कपट काया का निकस्या हरि की गति जब जाँणी॥

आँधी पीछै जो जल बूठा, प्रेम हरि जन भीनाँ।

कहै कबीर भाँन के प्रगटे उदित भया तम षीनाँ॥



http://www.csjmuonline.com

http://www.csjmuonline.com



(ख) जुआ हारि समुझी मन रानी। सुआ दीन्ह राजा कहँ आनी॥
मानु पीय ! हौ गरब न कीन्हा। कंत तुम्हारा मरम मैं लीन्हा॥
सेवा करै जो बरहौ मासा। एकनिक औगुन करहु बिनासा॥
जौं तुम्ह देइ नाइ कै गीवा। छाँड़हुँ नहिं बिनु मारे जीवा॥
मिलतहु महँ जनु अहौ निनारे। तुम्ह सौं अहै अँदेस पियारे॥
मैं जानेऊँ तुम्ह मोही माहाँ। देखौं ताकि तौ हौ सब पाहाँ॥
का रानी, का चेरी कोई। जा कहं मया करहु भल सोई॥
तुम्ह सौं कोई न जीता, हारे वर रुचि भोज।
पहिलै आपु जो खोवै, करै तुम्हारा सो खोज॥

(ग) तात बात फूरि राम कृपाहीं। राम बिमुख सिधि सपनेहुँ नाही॥
सकुचउँ तात कहत एक बाता। अरध तजहिं बुध सरबस जाता॥
तुम्ह कानन गवनहु दोऊ भाई। फेरिअहिं लखन सीय रघुराई॥
सुनि सुबचन हरषे दोउ भ्राता। भे प्रमोद परिपूरन गाता॥
मन प्रसन्न तन तेजु बिराजा। जनु जिय राउ रामु भए राजा॥
बहुत लाभ लोगन्ह लघु हानी। सम दुःख सुख सब रोवहिं रानी॥
कहहिं भरतु मुनि कहा सो कीन्हे। फलु जग जीवन्ह अभिमत दीन्हे॥
कानन करउँ जनम भरि बासू। एहि ते अधिक न मोर सुपासू॥
अन्तरजामी रामु सिय तुम्ह सरबग्य सुजान।
जौ फुर कहहुत नाथ निज कीजिअ बचनु प्रवान॥



http://www.csjmuonline.com

http://www.csjmuonline.com



(घ) (i) जोग-जुगति सिखए सबै, मनौ महामुनि मैन।
चाहत पिय-अद्वैतता, काननु सेवत नैन॥
(ii) तो पर वारौं उरवसी, सुनि राधिके सुजान।
तू मोहन कैं उर बसी, ह्वै उरवसी-समान॥

## खण्ड—स

## (दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : इस खण्ड से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 300 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है। इस खण्ड में भी प्रश्न समस्त पाठ्यक्रम से होंगे।

3. "कबीर वाणी के डिक्टेटर थे!" इस कथन के आलोक में कबीर की भाषा पर प्रकाश डालिए।
4. तुलसी के काव्य में 'रामराज्य की परिकल्पना' को अपने शब्दों में लिखिए।
5. बिहारी का काव्य 'गागर में सागर' है। सिद्ध कीजिए।
6. रहीम की काव्य भाषा पर प्रकाश डालिए।

http://www.csjmuonline.com
Whatsapp @ 9300930012
Send your old paper & get 10/-
अपने पुराने पेपर्स भेजे और 10 रुपये पायें,
Paytm or Google Pay से 8000



http://www.csjmuonline.com